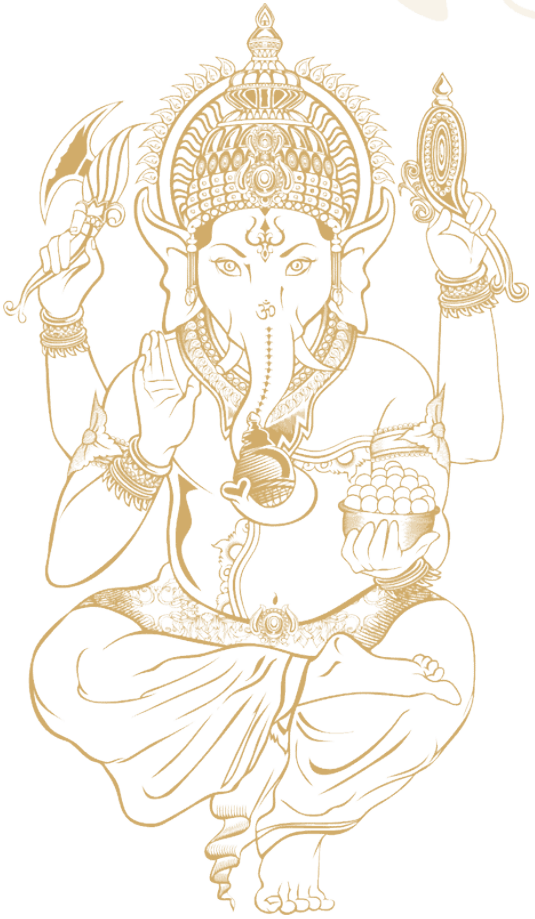

Abhye malhotra

17 Mar 1987

07:02 PM

Yamunanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121417502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/03/1987**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**19:02:00 घंटे**
इष्ट	31:21:11 घटी
स्थान	**Yamunanagar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:07:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:41:12 घंटे
वेलान्तर	-00:08:34 घंटे
साम्पातिक काल	06:19:34 घंटे
सूर्योदय	06:29:31 घंटे
सूर्यास्त	18:29:40 घंटे
दिनमान	12:00:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	02:44:47 मीन
लग्न के अंश	10:34:59 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पो-पौरुष
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:34:59	314:14:14	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			मीन	02:44:47	00:59:42	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	27:08:56	13:20:25	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मेष	23:24:44	00:40:45	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध			कुंभ	07:19:05	00:25:46	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु		अ	मीन	09:51:36	00:14:29	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मक	23:05:24	01:11:08	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	27:19:47	00:01:22	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु			मीन	17:48:45	00:00:30	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
केतु			कन्या	17:48:45	00:00:30	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	02:57:24	00:00:46	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप			धनु	14:10:21	00:00:47	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	15:58:22	00:01:06	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	10:48:47	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:38

लग्न-चलित

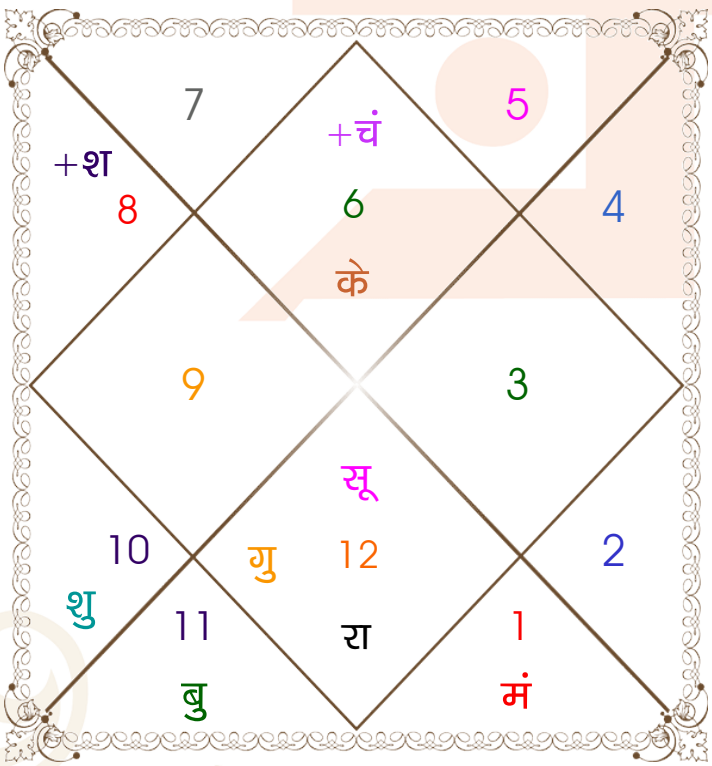

चन्द्र कुंडली

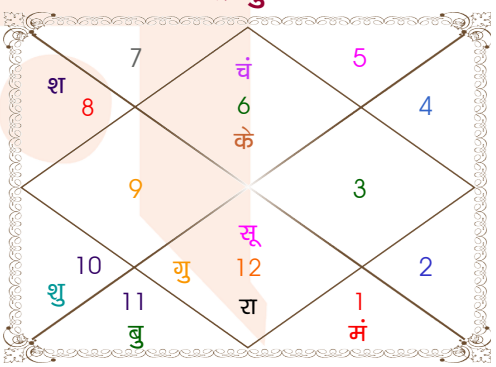

नवमांश कुंडली

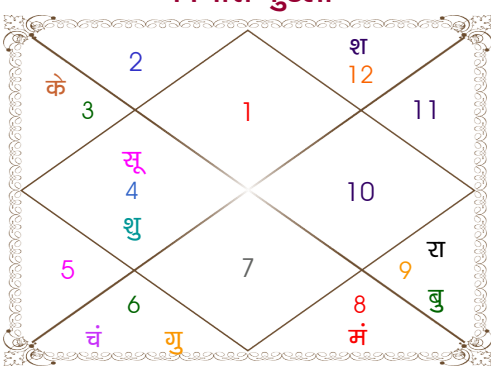

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 11 मास 29 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/03/1987		15/03/1992		16/03/2010		16/03/2026		16/03/2045	
15/03/1992		16/03/2010		16/03/2026		16/03/2045		16/03/2062	
	00/00/0000	राहु	27/11/1994	गुरु	03/05/2012	शनि	19/03/2029	बुध	12/08/2047
	17/03/1987	गुरु	21/04/1997	शनि	14/11/2014	बुध	27/11/2031	केतु	08/08/2048
गुरु	06/08/1987	शनि	26/02/2000	बुध	19/02/2017	केतु	05/01/2033	शुक्र	09/06/2051
शनि	14/09/1988	बुध	15/09/2002	केतु	26/01/2018	शुक्र	06/03/2036	सूर्य	15/04/2052
बुध	11/09/1989	केतु	03/10/2003	शुक्र	26/09/2020	सूर्य	16/02/2037	चंद्र	14/09/2053
केतु	07/02/1990	शुक्र	03/10/2006	सूर्य	15/07/2021	चंद्र	18/09/2038	मंगल	11/09/2054
शुक्र	09/04/1991	सूर्य	27/08/2007	चंद्र	14/11/2022	मंगल	27/10/2039	राहु	31/03/2057
सूर्य	15/08/1991	चंद्र	25/02/2009	मंगल	21/10/2023	राहु	02/09/2042	गुरु	07/07/2059
चंद्र	15/03/1992	मंगल	16/03/2010	राहु	16/03/2026	गुरु	16/03/2045	शनि	16/03/2062

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
16/03/2062		16/03/2069		16/03/2089		16/03/2095		17/03/2105	
16/03/2069		16/03/2089		16/03/2095		17/03/2105		00/00/0000	
केतु	12/08/2062	शुक्र	15/07/2072	सूर्य	03/07/2089	चंद्र	15/01/2096	मंगल	13/08/2105
शुक्र	12/10/2063	सूर्य	15/07/2073	चंद्र	02/01/2090	मंगल	15/08/2096	राहु	31/08/2106
सूर्य	17/02/2064	चंद्र	16/03/2075	मंगल	10/05/2090	राहु	13/02/2098	गुरु	18/03/2107
चंद्र	17/09/2064	मंगल	15/05/2076	राहु	03/04/2091	गुरु	15/06/2099		00/00/0000
मंगल	13/02/2065	राहु	16/05/2079	गुरु	21/01/2092	शनि	15/01/2101		00/00/0000
राहु	04/03/2066	गुरु	14/01/2082	शनि	02/01/2093	बुध	16/06/2102		00/00/0000
गुरु	08/02/2067	शनि	16/03/2085	बुध	08/11/2093	केतु	15/01/2103		00/00/0000
शनि	18/03/2068	बुध	15/01/2088	केतु	16/03/2094	शुक्र	15/09/2104		00/00/0000
बुध	16/03/2069	केतु	16/03/2089	शुक्र	16/03/2095	सूर्य	17/03/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 11 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।